पेट्रोल पंप पर हुई फायरिंग के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया

आरोपी पर एसपी ऑफिस से दस हजार का इनाम घोषित था

गंगापुर सिटी, (निसं)। वजीरपुर उपखंड में पेट्रोल पंप पर लूटपाट के इरादे से की गई फायरिंग के मुख्य आरोपी रूप सिंह उर्फ रूपा मीणा को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी पर पुलिस ने 10 हजार रुपए का इनाम घोषित कर रखा था। इस मामले में पुलिस दो आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

एसपी सुजीत शंकर के निर्देश पर एएसपी राकेश राजोरा और पुलिस उपाधीक्षक अरविंद के सुपरविजन में इन दिनों जिले में अभियान चलाकर वांछित और इनामी बदमाशों की धरपकड़ कर रही है। इसी कड़ी में वजीरपुर थाना प्रभारी विजय सिंह छोंकर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने पेट्रोल पंप पर फायरिंग के लूट के मुख्य आरोपी रूप सिंह उर्फ रूपा मीणा निवासी निठार को गिरफ्तार किया है। छोंकर ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिलने पर नाकाबंदी करवाई और आरोपी को पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन रूपा नाकेबंदी को तोड़कर भाग गया, लेकिन खेडला मोड़ पर बदमाश को आखिरकार पीछाकर दबोच लिया।

9 अप्रैल को की थी फायरिंग :- गौरतलब है कि 9 अप्रैल को रूपा उर्फ रूपसिंह मीणा निवासी निठार ने अपने साथियों के साथ मिलकर श्रीराम फिलिंग स्टेशन वजीरपुर में फांयरिंग और लूट की वारदात को अंजाम दिया था। फायरिंग में सेल्समैन श्रवण पुत्र अशोक निवासी हाथीपुरा को पेट में गोली लगी। वहीं, दूसरे सेल्समैन कालेखान ने बचाव का प्रयास किया तो उसके सिर पर बंदूक के बट से हमला कर बदमाश मौके से फरार हो गए। गंभीर घायल श्रवण को प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रेफर कर दिया गया। सूचना पर पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर घटना स्थल पर पहुंचे थे और घटना की जानकारी ली थी। घटना की जानकारी लेकर पुलिस अधीक्षक ने एएसपी व पुलिस उपाधीक्षक के नेतृत्व में कई टीमों का गठन कर आरोपियों की धरपकड़ शुरू की जिसमें दो आरोपी पुलिस पूर्व में ही पकड़ चुकी थी।

पुलिस ने लूट के आरोपी को गिरफ्तार किया।

- **दो आरोपी पहले ही पुलिस गिरफ्त में आ चुके हैं**

वजीरपुर थाना पुलिस ने घटना के 24 घंटे में ही लूट में शामिल रूपा उर्फ रूप सिंह मीणा गैंग के दो सक्रिय बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोनू सिह पुत्र विजय सिंह और योगेश पुत्र वीरसिंह, निवासी मोहनपुर, थाना कुडगांव, जिला करौली को गिरफ्तार किया है। जबकि गैंग का मुखिया रूप सिंह उर्फ रूपा मीणा पुलिस की भनक लगने के कारण मौके से फरार हो गया। हालांकि पुलिस ने आरोपी के ठिकानों पर दबिश दी, लेकिन आरोपी पकड़ से बाहर रहा। आखिरकार शनिवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने नाकेबंदी कर लूट के मुख्य आरोपी रूप सिंह उर्फ रूपा को गिरफ्तार कर लिया।

रोडवेज बस पलटी, दो दर्जन से ज्यादा लोग घायल

डूंगरपुर रोडवेज की बस उदयपुर से डूंगरपुर आ रही थी, सदर थाना क्षेत्र के निकट हादसा हुआ

डूंगरपुर, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र में उदयपुर रोड पर वागदरी गांव के पास एक रोडवेज बस बेकाबू होकर पलट गई। हादसे ने बस में सवार दो दर्जन लोग घायल हो गए। डूंगरपुर रोडवेज की बस उदयपुर से डूंगरपुर आ रही थी। हादसे के बाद मौके पर हाहाकार मच गया। घायलों को एंबुलेंस के जरिए डूंगरपुर अस्पताल लेकर आए और भर्ती कर इलाज शुरू किया।

डूंगरपुर रोडवेज की एक बस शनिवार शाम के समय उदयपुर से डूंगरपुर को तरफ आ रही थी। इसी दौरान वागदरी के पास बस बेकाबू होकर पलट गई। घटना के समय बस सवारियों से खचाखच भरी हुई थी। बस पलटने से बैठी सवारियों को हाथ, पैर, सिर ओर शरीर पर कई जगह गंभीर चोटें आई। मौके पर चीख पुकार मच गई। रोड से गुजर रहे लोगों ने रोककर बस से घायलों को बाहर निकाला।

इसके बाद एंबुलेंस से डूंगरपुर अस्पताल लेकर आए। यहां मेडिकल कॉलेज अस्पताल के अधीक्षक डॉ. महेंद्र डामोर के साथ डॉक्टरों की टीम ने घायलों को जांच के बाद भर्ती कर इलाज शुरू कर दिया है। वहीं सूचना पर एडीएम नीरज मिश्र और डिप्टी राजकुमार राजौरा जिला अस्पताल पहुंचे और कुशलकेम पूछी।

डूंगरपुर के सदर थाना क्षेत्र में वागदरी गांव के पास रोडवेज बस बेकाबू होकर पलट गई।

शराब ठेके पर रूपए मांगने पर हिस्ट्रीशीटर ने फायर किया

हिस्ट्रीशीटर के ठिकानों पर दबिश दे रही है पुलिस

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी के बबाई में शराब ठेके पर रात को हिस्ट्रीशीटर द्वारा देशी कट्टे से फायर करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए हिस्ट्रीशीटर के ठिकानों पर दबिश दे रही है।

एसपी प्रवीण कुमार नायक ने बताया कि देर रात को ढाणी बैचावाली तन प्रतापपुरा निवासी हिस्ट्रीशीटर भैरू उर्फ भैरिया पुत्र कैलाश चंद अपने साथियों के साथ बबाई बाइपास पर बने शराब ठेके पर पहुंचा। इस दौरान उसने सैल्स मेन से शराब मांगी। जब सैल्समेन ने रूपए देने के लिए कहा तो उसने देशी कट्टा निकाल कर हवाई फायर कर दिया। इसके बाद आरोपी धमकी देते हुए मौके से फरार हो गया। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तथा घटना की जानकारी पुलिस को दी। इस दौरान बबाई थानाधिकारी सरदारमल यादव मय जाब्ते के मौके पर पहुंचे तथा घटना के बारे में जानकारी जुटाई। इस दौरान फायरिंग की घटना को गंभीरता से लेते हुए एसपी प्रवीण कुमार नायक ने बबाई थानाधिकारी सरदारमल यादव व डीएसटी प्रभारी सरदार मल चौधरी के नेतृत्व में टीम गठित कर आरोपियों को गिरफ्तार करने के निर्देश दिए।

उन्होंने बताया कि अभी वारदात में शामिल दो आरोपियों को हिरासत में लिया गया है, जिनसे गहनता से पूछताछ की जा रही है। वारदात में शामिल अन्य आरोपियों की धरपकड़ को लेकर उनके संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है तथा उन्हें जल्द ही गिरफ्तार कर वारदात का खुलासा किया जाएगा। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक देशी कट्टा भी बरामद करने की बात सामने आई है। आरोपी भैरू उर्फ भैरिया बबाई थाने का हिस्ट्रीशीटर है। जिसके खिलाफ खेतड़ी, बबाई, खेतड़ी नगर सहित अन्य थानो में मारपीट, आर्म्स एक्ट, जानलेवा हमला करने सहित करीब 30 मामले दर्ज है। घटना के बाद डीएसपी जुल्फीकार अली ने भी बबाई थाने में पंहुच कर घटना के बारे में जानकारी जुटाई। थानाधिकारी सरदारमल यादव ने बताया कि मामले की गंभीरता से देखते हुए एफएसएल की टीम को भी मौके पर बुलाया गया है।

- **गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे**

न्यायालय के फैसले के बावजूद नगर परिषद नहीं हटा रही अतिक्रमण

नगर परिषद अपना रही टालमटोल रवैया, कोर्ट के आदेश के बावजूद गठित की जांच कमेटी

डीडवाना, (निसं)। डीडवाना के दशहरा मेला मैदान के पास सरकारी भूमि पर कब्जा कर बनाई गई छह दुकानों के बहुचर्चित मामले में नगर परिषद कार्रवाई करने की बजाय टालमटोल रवैया अपना रही है।

नगर परिषद ने इस मामले की जांच के लिए एक कमेटी का गठन किया है, जो इन दुकानों के स्वामित्व और कोर्ट के फैसले की समीक्षा करेगी। नगर परिषद द्वारा इस कमेटी गठन के बाद अब नगर परिषद की मंशा पर ही सवाल उठने लगे हैं, क्योंकि जब सिविल कोर्ट स्पष्ट रूप से नगर परिषद के पक्ष में फैसला दे चुका है और अतिक्रमियों की याचिका को खारिज कर चुका है। नगर परिषद के तत्कालीन आयुक्त स्वयं कोर्ट में अपने बयान में दुकानों की इस भूमि को नगर परिषद की भूमि बता चुके हैं। इसके बावजूद अब नगर परिषद द्वारा इस मामले की जांच के लिए कमेटी का गठन किया जाना कोर्ट के फैसले पर ही सवाल खड़े करता है।

जानकारों की माने तो जब कोर्ट इस प्रकरण में स्पष्ट रूप से अपना फैसला दे चुका है, तो फिर दुकानों के स्वामित्व और कोर्ट के फैसले की समीक्षा के नाम पर कमेटी गठन का क्या औचित्य है। जानकार मानते हैं कि नगर परिषद ऐसा करके स्वयं को कोर्ट के ऊपर समझने लगी है और उसके अधिकारियों की भूमिका पर संदेह होने लगा है, क्योंकि कोर्ट का फैसला हुए नौ महीने बीत चुके हैं, लेकिन अब तक नगर परिषद ने दुकानों को अतिक्रमण मुक्त करने की कोई कार्रवाई नहीं की, ना ही अतिक्रमियों को नोटिस दिया। उल्टे अब कोर्ट के फैसले की समीक्षा के नाम पर निर्णय पर ही सवाल उठा रही है, जो सीधे तौर पर न्यायालय की अवमानना के तौर पर भी समझा जा सकता है।

कोर्ट के निर्णय के बाद यह उम्मीद जताई जा रही थी कि नगर परिषद इस भूमि को अतिक्रमण मुक्त करेगी और इन दुकानों पर बुलडोजर चलाएगी। मगर चुनाव और आचार संहिता के कारण नगर परिषद ने तब कोई कार्रवाई नहीं की। ऐसे में अब नगर परिषद पर दुकानों के मालिकों के साथ मिलीभगत के आरोप लगने लगे, लेकिन जब मीडिया ने मामले को उठाया और सभापति और आयुक्त से जानकारी लेनी चाही, तो उन्होंने मामले में चुप्पी साध ली है। स्थिति यह है कि आयुक्त तो पत्रकारों के बात करना भी मुनासिब नहीं समझते।

यह था मामला :- राठी कॉम्पलेक्स के पीछे, दशहरा मेला मैदान के पास कुछ सालों पूर्व अवैध रूप से दुकानों का निर्माण कर लिया गया था। इस पर 15 नवंबर 2017 को नगर पालिका ने एक आम सूचना जारी करते हुए इन दुकानों को सरकारी भूमि पर अतिक्रमण माना था। साथ ही कार्रवाई करने की चेतावनी दी थी। बाद में यह मामला न्यायालय में चला गया। कोर्ट में नगर परिषद ने बताया कि उक्त भूमि नगर परिषद के अधीन रही है। यह जमीन कभी भी किसी की भी निजी संपत्ति नहीं रही, ना ही कभी नगर परिषद ने इस जमीन की सेलडीड जारी की और ना ही नामांतरण किया है। नगर परिषद ने इस भूमि को सार्वजनिक रास्ता बताते हुए यहां दुकानों के निर्माण को अवैध रूप से कब्जा बताया था।

इस मामले को लेकर दुकानों के निर्माणकर्ता भूमि के संबंध में किसी भी प्रकार का कोई प्रमाणित दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाए। उन्हें इस भूमि पर हक अधिकार और स्वामित्व किस प्रकार प्राप्त हुआ? यह साबित करने में भी असफल रहे।

कोर्ट में तत्कालीन नगर परिषद के आयुक्त रोहित कुमार ने भी यह स्वीकार किया कि यह भूमि नगर परिषद की है। इस पर न्यायालय ने 28 अगस्त 2023 को नगर परिषद के पक्ष में फैसला सुनाते अतिक्रमियों की याचिका को खारिज कर दिया और उक्त दुकानों की भूमि को नगर परिषद की ही भूमि माना है।

कम वोल्टेज से परेशान लोगों ने एईएन ऑफिस का घेराव किया

बीकानेर, (निसं)। सर्वोदय बस्ती से सैकड़ों की संख्या में पुरुष और महिलाओं ने मुक्ता प्रसाद स्थित एईएन ऑफिस का घेराव किया, क्योंकि बार-बार शिकायत करने के बावजूद वोल्टेज की समस्या का निस्तारण नहीं किया जा रहा है। सर्वोदय बस्ती में मीरा दातार दरगाह के आसपास पंडित जी पेट्रोल पंप के सामने वाली गली तथा हरे चारे की टाल के पीछे के एरिया में कई स्थानों पर हमेशा वोल्टेज काम आता है। जिसके कारण कूलर और पंखे नहीं चल पाते हैं।

पिछले 1 महीने से भयंकर गर्मी होने के बावजूद स्थिति में कोई सुधार नहीं किया गया है। बिजली कंपनी के अधिकारियों को बार-बार सूचित करने के बावजूद भी कोई असर नहीं हुआ तो मोहल्लेवासी इकट्ठा होकर पार्षद लक्ष्मी देवी के पास पहुंचे। पार्षद प्रतिनिधि ने कंपनी के अधिकारियों से बात की तथा इसे दुरुस्त करने के लिए 3 दिन का समय दिया। तीन दिन बीत जाने के बाद कंपनी का इंजीनियर मौके पर जाकर मौहल्ले वालों से जमीन की डिमांड करता है। कहता है कि आप जमीन उपलब्ध कराओ हम ट्रांसफार्मर लगा देंगे, अगर आप जमीन उपलब्ध नहीं करवाओगे तो इसी तरीके से परेशान होते रहोगे, हमारे पास कोई उपाय नहीं है। इस बात से आक्रोशित होकर आज सभी मोहल्ले वासियों ने ऑफिस का घेराव किया। प्रदर्शन करने वालों में सुभाष स्वामी के साथ महफूज अली ,देवी लाल, मोहम्मद साबिर, मोहम्मद उस्मान, खेमाराम मेघवाल, चांदनी, गुलशन, पार्वती सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

युवक की सूखे नाले में लाश मिली

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के प्रताप नगर थाना क्षेत्र की पटेल नगर कॉलोनी में एक कच्ची झोपड़ी के पास युवक की सूखे नाले में लाश मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। एएसआई साबिर मोहम्मद ने बताया कि थाना क्षेत्र की पटेल नगर कॉलोनी के निकट नाले में एक युवक की लाश मिलने की सूचना पर जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे तो सूखे हुए नाले में एक युवक जिसकी पहचान भैरू (22) पिता विजय बंजारा के रूप में हुई। प्रारंभिक जांच में पता चला कि मृतक युवक शराब पीने का आदि था और आशंका जताई जा रही है कि अत्यधिक शराब के सेवन के कारण उसकी मौत हुई है। फिलहाल पुलिस ने मृतक के शव को एमजी हॉस्पिटल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवा कर परिजनों को सूचना दी है।

झूलते हुए तारों को सही करने के दौरान बड़ा हादसा टला

भीलवाड़ा, (निसं)। भीलवाड़ा शहर के पोश इलाके काशीपुरी क्षेत्र के माधव उद्यान में शनिवार को भयंकर हादसा हुआ। पार्क में झूलते हुए तारों को सही करने के दौरान 11000 वोल्ट की लाइन से शॉर्ट सर्किट से मौत के शिकार होते-होते बच गया।

राजस्थान जन मंच के अध्यक्ष कैलाश सोनी ने बताया कि काशीपुरी क्षेत्र के माधव उद्यान में पार्क के अंदर बिजली के झूलते हुए लटकते हुए तारों को सही करने के दौरान लोहे का खंबा 11000 लाइन पर जा गिरा, जिससे धमाके के साथ लाइन ठीक कर रहे रोहित जोशी भयंकर बिजली करंट का शिकार हो गया और बिजली करंट के कारण अचेत हो गया। वहीं पार्क में प्रात: भ्रमण के दौरान घूम रहे काशीपुरीवासियों मे हड़कंप मच गया। तुरंत रोहित जोशी को महात्मा गांधी अस्पताल में इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया। सही समय पर इलाज मिलने के कारण मौत के शिकार होने से बच गया, अब वह सुरक्षित है।

राजस्थान जन मंच अध्यक्ष कैलाश सोनी ने बताया कि इसकी सूचना तुरंत नगर परिषद सभापति राकेश पाठक को दी। उसी समय राकेश पाठक और नगर परिषद अधिशाषी अभियंता सूर्य प्रकाश संचेती घटनास्थल पर आए और तुरंत बिजली निगम के अधिकारियों को फोन कर बिजली के तारों को सही कराया। पार्क में हो रही विभिन्न समस्याओं को तुरंत सही करने के निर्देश नगर परिषद के अधिकारियों को देकर मौके पर कर्मचारियों को बुलाया।

पानी नहीं मिलने पर प्रदर्शन

भीलवाड़ा, (निसं)। हताड़ गांव में चंबल का पानी नहीं मिलने पर महिलाओं ने प्रदर्शन किया। आसींद के हताड़ गांव में महिलाओं ने बताया कि लगभग 150 परिवार गांव में निवास करते हैं लेकिन 20 मकान को छोड़कर बाकी किसी के भी घर में 5 महीने हो गए कनेक्शन हुए लेकिन चंबल का पानी नहीं पहुंचा है। वहीं महिलाओं ने बताया कि यहां से 6 से 7 किलोमीटर दूर से पानी लेकर आते हैं। निजी टैंकर मंगवाकर घरों में पानी डलवाते हैं। पशुओं के लिए टाका बना रखी है लेकिन टाका में ग्रामीण पैसा एकत्रित कर कर पशुओं के लिए पानी डलवाते हैं। वहीं रोजाना 1000 रूपए प्रति पानी के टैंकर गांव में आते है। महिलाओं ने बताया कि अनेक बार चंबल विभाग एवं प्रशासन को अवगत करा चुके हैं।

दुकानदार की नृशंस हत्या मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

संगरिया, (निसं)। गांव किशनपुरा उत्तराधा में वृद्ध दुकानदार की नृशंस हत्या मामले में नामजद दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर पुलिस रिमांड पर लिया है। थानाधिकारी धर्मपालसिंह ने बताया कि शक के आधार पर राउंडअप किए युवकों में से वार्ड एक गांव किशनपुरा उतराधा युवक सोनू (21) पुत्र जगदीश उर्फ जग्गा बावरी तथा इन्द्राज उर्फ गगन (21) पुत्र हंसराज मेघवाल को हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है। जिनसे गहन पूछताछ जारी है।

थाना प्रभारी ने बताया कि गुरुवार सुबह हत्याकांड की जानकारी मिलते ही पुलिस जाबता लेकर मौके पर पहुंचे। डीवाईएसपी करणसिंह और एडिशनल एसपी प्यारेलाल घटनास्थल पर आए, वस्तुस्थिति जानी। पूछताछ व फोटोग्राफी करवाने के साथ हनुमानगढ़ से एमओबी व मोबाईल फोरेंसिक टीम ने सबूत जुटाए।

श्रीगंगानगर डॉग स्क्वॉयड दल से श्वान जानू ने मृतक और आरोपियों के पैरों के निशान सूंघकर पुलिस दल को हत्यारों के घर तक पहुंचाया। मुखबिर तंत्र सक्रिय कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने इन्द्रप्रकाश के सिर व मुंह पर कुल्हाड़ी तथा सब्बल से ताबड़तोड़ वार किए। जिससे चेहरा पहचानना मुश्किल हो गया। पूछताछ में सामने आया कि कुछ दिन पूर्व मृतक दुकानदार के पास नशे में धुत्त आरोपी सामान लेने दुकान पर आए थे। तब दुकानदार ने उन्हें ऐसी हालात में दुकान पर आने से मना किया था।

मां के दोस्त ने ही कर दी मासूम बेटे की हत्या

कोटा, (निसं)। शहर के विज्ञान नगर थाना इलाके में ढाई साल के मासूम बालक की हत्या उसकी मां के ही दोस्त ने कर दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। यह प्रकरण घटना के एक माह बाद उस समय सामने आया जब आरोपी ने बालक की मां को उसकी हत्या करते हुए का वीडियो भेजा। इसके बाद महिला ने इस प्रकरण में कार्रवाई शुरू की। इससे पहले बालक की मौत एक्सीडेंट में होना माना जा रहा था। पुलिस ने दफनाए गए स्थान से बालक के शव को बाहर निकालकर उसका पोस्टमार्टम करवाया। अब पुलिस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है।

पुलिस उप अधीक्षक (एसटी एससी सेल कोटा शहर) हरिराम सोनी ने बताया कि खुशबू मेहरा नाम की एक महिला ने अपने ढाई वर्षीय बेटे अंश मेहरा की हत्या का प्रकरण दर्ज करवाया है। इस मामले में आरोपी 32 वर्षीय राहुल पारीक को गिरफ्तार किया गया है। राहुल महिला खुशबू का दोस्त बताया जा रहा है। उप अधीक्षक सोनी ने बताया कि यह घटनाक्रम 15 अप्रैल को हुआ था। महिला ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि वह अपने परिवार के साथ अस्पताल में बालक को दिखाने गई थी। अस्पताल के बाहर से ही उसका दोस्त राहुल पारीक बच्चे को लेकर अपनी दुकान पर चला गया। थोड़ी देर बाद उसने खुशबू को फोन किया कि बच्चे का एक्सीडेंट हो गया। उसे जेके लोन अस्पताल में भर्ती कराया है। इस पर महिला खुशबू अपने परिवार के साथ अस्पताल पहुंची और राहुल की बातों में आकर बच्चे की एक्सीडेंट में ही मौत मानकर उसे ले गए। बच्चे की लाश को रात भर घर पर रखा और अगले दिन सुबह 16 अप्रैल को दफना दिया था। उसका पोस्टमार्टम नहीं करवाया था। क्योंकि राहुल ने बताया था कि एक्सीडेंट बच्चे का हो गया था।

महिला की रिपोर्ट के अनुसार राहुल ने घटना के 12 दिन के बाद मृत बालक के कुछ वीडियो और स्क्रीनशॉट उसे भेजे। उसमें आरोपी राहुल पारीक ढाई वर्षीय बालक अंश का गला दबाते हुए नजर आ रहा था। साथ ही पीट भी रहा था। घटना के अनुसार आरोपी ने बालक का गला दबाया और उसे जोर से जमीन पर दे मारा जिससे उसकी मौत हो गई। एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस ने बालक के शव को श्मशान से निकाल लिया है। इस दौरान एसडीएम लाडपुरा मनीषा तिवारी, मेडिकल कॉलेज में फॉरेंसिक मेडिसिन के एचओडी डॉ. अशोक मूंदड़ा भी मौके पर मौजूद रहे। बच्चे के नमूने एफएसएल भेजे जाएंगे। पुलिस उपाधीक्षक सोनी ने बताया कि मृतक बालक की आरोपी राहुल से क्या दुश्मनी हो सकती है। यह समझ से परे हैं। अभी तक कोई विवाद भी सामने नहीं आया है। बच्चे को मारने का कोई कारण सामने नहीं आया है। ऐसे में अब इस बात की जांच की जाएगी कि बच्चे की मां और आरोपी राहुल के बीच संबंध कैसे थे।

आनासागर झील को जलकुम्भी से जल्द राहत मिलेगी

जलकुम्भी पर नियंत्रण के परिणाम सामने आने लगे, 16 प्रतिशत क्षेत्र में जलकुम्भी बची है

अजमेर, (कासं)। आनासागर झील को जलकुम्भी से जल्द ही राहत मिलने वाली है। प्रशासन द्वारा सम्मिलित रूप से किए गए प्रयासों के परिणाम अब नजर आने लगे हैं। अब जलकुम्भी के मात्र 16 प्रतिशत क्षेत्र तक सीमित होने से आनासागर खुलकर सांस लेने लगा है।

जिला कलेक्टर डॉ. भारती दीक्षित ने बताया कि आनासागर झील से जलकुंभी निकालने का अभियान गत 20 मार्च से अनवरत चल रहा है। इससे लगभग 11 हजार 250 डंपर जलकुंभी का झील से बाहर निकासी की गई है। वर्तमान समय में इस अभियान के अन्तर्गत रीजनल कॉलेज चौपाटी एसटीपी के पीछे तीन पोकलेन एवं होटल लेक हेवन के पीछे डिवीडिंग मशीन कार्यरत है। उन्होंने बताया कि नगर निगम आयुक्त देशल दान के निर्देशन में लगातार कार्य किया गया। नगर निगम की पूरी टीम ने समर्पित भाव से कार्य किया। इसके परिणाम स्वरूप वर्तमान में जलकुम्भी का क्षेत्राफल बहुत कम हो गया है। इसको अन्य स्थानों पर फैलने से रोकने के लिए कोटा से विशेष प्रकार का 2800 फीट लम्बा जाल मंगवाकर एसटीपी के पीछे से रीजनल कॉलेज चैपाटी तक जलकुम्भी को लॉकिंग किया गया है। इससे हवा के दवाब के कारण जलकुम्भी का फैलाव स्थिर रहेगा। हवा के झोंकों से जलकुम्भी अन्यत्रा छितरी हुई अवस्था में कम से कम होगी।

आनासागर झील को जलकुम्भी से जल्द ही राहत मिलने वाली है।

उन्होंने बताया कि झील में ऑक्सीजन स्तर बढ़ाने के लिए जगह-जगह एरिएटर एवं फव्वारे स्थापित किए जा रहे हैं। इन एरिएटर तथा फव्वारों से वायुमण्डलीय ऑक्सीजन जल में घुलनशील होकर ऑक्सीजन का स्तर बढ़ाएगी। यह जलीय जन्तुओं के लिए प्राणदायक होगी। घुलनशील ऑक्सीजन का स्तर बढ़ने से पानी से आने वाली दुर्गन्ध से भी राहत मिलेगी। गर्मी के मौसम में तेज धूप के कारण जलीय शैवालों की कॉलोनी तेजी से बढ़कर जल को दुर्गन्धित कर सकती है। अब ऐसा नहीं होने से चैपाटी का आनन्द लिया जा सकेगा।

उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा गठित नगर निगम की विशेष टास्क फोर्स टीम द्वारा भीषण गर्मी में भी दिन-रात किए गए अथक प्रयासों के कारण झील का अधिकांश भाग जलकुम्भी मुक्त हो गया है। सागर विहार कॉलोनी, झीमॉल के पीछे, पुरानी चैपाटी, रामप्रसाद घाट तथा लव कुश उद्यान ट्राम्बे के आसपास से टापू के आगे लगभग पूर्ण रूप से साफ है। झील का कुल क्षेत्राफल 776 एकड़ (3.14 वर्ग किलोमीटर) है। इसमें से मात्रा 0.53 वर्ग किलोमीटर में ही जलकुम्भी बची है। यह सम्पूर्ण झील का मात्र 16.87 प्रतिशत है।

उन्होंने बताया कि झील में जलकुंभी का फैलाव वर्तमान में रीजनल कॉलेज चौपाटी के आसपास तक सीमित हो गया है। इसे शीघ्र ही नियंत्राण में लेकर बाहर निकालने की कार्रवाई की जा रही है। इस कार्य की ड्रोन फोटोग्राफी करवाई जा रही है। सीसीटीवी कैमरे से भी मॉनिटरिंग की जा रही है। आगामी दिनों में राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट नागपुर एवं राष्ट्रीय बॉटेनिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट लखनऊ की टीम झील से जलकुंभी के नियंत्रण एवं स्थाई समाधान के लिए अजमेर आ रही है। यह टीम निरीक्षण के पश्चात विस्तृत कार्य योजना तैयार कर रिपोर्ट तैयार करेगी।